ADDITIONAL™ PRACTICE

हिंदी 5

Harbour Press®
INTERNATIONAL

विषय-सूची

1. राख की रस्सी 3
2. फ़सलों के त्योहार 3
3. खिलौनेवाला 4
4. नन्हा फ़नकार 5
5. जहाँ चाह वहाँ राह 5
6. चिठ्ठी का सफ़र 6
7. डाकिए की कहानी, कँवरसिंह की ज़ुबानी 7
8. वे दिन भी क्या दिन थे 7
9. एक माँ की बेबसी 8
10. एक दिन की बादशाहत 9
11. चावल की रोटियाँ 9
12. गुरु और चेला 10
13. स्वामी की दादी 11
14. बाघ आया उस रात 11
15. बिशन की दिलेरी 12
16. पानी रे पानी 12
17. छोटी-सी हमारी 13
18. चुनौती हिमालय की 14

1 राख की रस्सी

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (v) (घ) (iv) (ङ) (iii)
3. (क) लोनपो गार (ख) चालाकी और हाज़िरजवाबी (ग) सीधा-सादा (घ) शहर में (ङ) लड़की ने
4. (क) चैन (ख) घुसने (ग) होशियारी (घ) कमरे (ङ) रस्सी, राख
5. (क) लोनपो गार (ख) सौ (ग) नौ हाथ लंबी
   (घ) अपने बेटे की शादी का (ङ) समझदार
6. (क) तुम इन्हें लेकर शहर जाओ। मगर इन्हें मारना या बेचना नहीं। इन्हें वापस लाना सौ जौ के बोरों के साथ। वरना मै तुम्हें घर में नहीं घुसने दूँगा।
   (ख) भेड़ो के बाल उतारकर बेचना उन्हे जरा भी पसंद नहीं आया।
   (ग) भेड़ो के सींग काट लिए उन्हें बेचकर जो रुपए मिले उनसे सौ बोरे जौ खरीदे।
   (घ) क्योंकि उनको पता था कि लड़की समझदार थी।
   (ङ) क्योंकि वैसी रस्सी बनाना मुश्किल था और उसने शर्त रखी की वह रस्सी तो बना देगी लेकिन वह रस्सी लोनपो गार को गले मे पहननी होगी।
7. (क) वे किसलिए मशहूर थे? (ख) मेरा बेटा कैसा है?
   (ग) किसे लेकर शहर जाओ? (घ) लड़की कहाँ खड़ी हुई?
8. (क) मशहूर - प्रसिद्ध (ख) यकीन - भरोसा (ग) मंजूर - स्वीकृत (घ) मदद - उपकार
   (ङ) चकित - विस्मित (च) मुश्किल - कठिन (छ) बीवी - पत्नी (ज) तरीका - उपाय
9. **व्यक्तिवाचक संज्ञा :** दिल्ली, सौनगवसैन, भैड़, लोनपो गार, हिमालय, चाँदनी चौक, रस्सी, अकबर, तिब्बत
   जातिवाचक संज्ञा : बाज़ार, शहर, लड़की, सींग, बेटा
10. (क) स्वेटर, ऊन, कानटोपी, झाल, मफलर
    (ख) भेड़ के सींग से हथियार, आभूषण बनते हैं।
11. छात्र स्वयं करें।
12. (क) फूलों से - महकना (ख) अपने दोस्तों से - मुसकाराना
    (ग) अपने पिता से - मेहनत करना (घ) अपने बड़े भाई-बहन से - सबका सम्मान करना

2 फ़सलों के त्योहार

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) (iii) (ख) (v) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iv)
3. (क) प्रकृति की (ख) साल (ग) पोंगल (घ) पहाड़ों से
4. (क) चूल्हे (ख) धान (ग) पतंग (घ) कुमाऊँ (ङ) सूर्य
5. (क) फ़सलों के तैयार हो जाने के खुशी में
   (ख) जनवरी माह के मध्य में भारत के लगभग सभी प्रांतो में फ़सलों से जुड़ा कोई-न-कोई त्योहार मनाया जाता है।
   (ग) सरई का फूल (घ) गुजरात में (ङ) घुघुतिया कहा जाता है

6. (क) नाव में बैठकर गंगा नदी की सैर और फिर टापू पर बालू में दौड़ते हुए पतंग उड़ाना या उड़ाने की कोशिश करके अपना खिचड़ी का त्योहार मनाती थी।

(ख) लोग चंदे में मुर्गा, चावल और मिश्री माँगते हैं।

(ग) लोग अच्छी पैदावर की उम्मीद और फ़सलों के घर में आने खुशी का इज़हार करके त्योहार मनाते हैं।

(घ) साल के पेड़ की पूजा करते हैं। स्त्री-पुरुष दोनों ही ढोल-मंजीरे लेकर रात भर नाचते-गाते हैं। घर-घर से चंदा लेते हैं।

(ङ) पानी में तिल डालकर स्नान करना, तिल दान करना, आग में तिल डालना, तिल के पकवान बनाना विशेष महत्व रखता है।

7. (क) मध्य प्रदेश - तिल संक्रांत (ख) असम - बीहू (ग) केरल - ओणम

(घ) तमिलनाडु - पोंगल (ङ) पंजाब - लोहड़ी (च) झारखंड - सरहुल (छ) गुजरात - पतंग का पर्व

8. (क) पूजा किया हुआ धान अगली फ़सल में **बोया** जाता है। (ख) बलराज ने धोती और **कुर्ता** पहना है।

(ग) ये त्योहार बड़े उल्लास से **मनाए** जाते हैं। (घ) माँ रसोई में बढ़िया-बढ़िया पकवान **पका** रही है।

(ङ) लोगों की भीड़ तमाशा देखने **उमड़** पड़ी।

9. (क) संक्रांति (ख) प्रकृति (ग) आशीर्वाद (घ) विशेष (ङ) पुरुष

10. छात्र स्वयं करें।

11.

	त्योहार	**कब**	**क्यों**
(क)	जन्माष्टमी	अगस्त	कृष्ण जन्म के खुशी में
(ख)	शिक्षक-दिवस	5 सितंबर	शिक्षक को सम्मानित करने के
(ग)	गांधी जयंती	2 अक्टूंबर	गांधी जन्म दिवस के अवसर पर
(घ)	होली	मार्च	होलिका दहन की खुशी में, रंगों से

12. छात्र स्वयं करें।

3 खिलौनेवाला

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓

2. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv) (घ) (i)

3. (क) पिंजरे (ख) एक पैसे (ग) तलवार (घ) वन

4. (क) कौशल्या (ख) रूठते (ग) माँ (घ) वन

5. (क) सुभद्रा कुमारी चौहान (ख) खिलौनेवाला ज़ोर-ज़ोर से पुकार

(ग) रामचंद्र की (घ) बच्चा माँ के बिना नहीं जाना चाहता था।

6. (क) वन में जाने की (ख) तोता, मोटर-गाड़ी, सीटी, गुड़िया, टी-सेट, धनुष-बाण, तलवार

(ग) बच्चे अपने माँ से बहुत प्यार करते हैं। (घ) असुरों को

7. (क) वह देखो **माँ आज**
खिलौनेवाला फिर से आया है।
कई तरह के सुंदर-सुंदर
नए खिलौने लाया है।

(ख) यहीं रहूँगा **कौशल्या मैं**
तुमको यहीं बनाऊँगा।
तुम कह **दोगी वन जाने को**
हँसते-हँसते जाऊँगा।

8. (क) खिलौने (ख) तलवार (ग) मोटा (घ) प्यार

9. खिलौना - खिलौने तलवार - तलवारे साड़ी - साड़ियाँ पैसा - पैसे

10. छात्र स्वयं करें।

11. छात्र स्वयं करें।

4 नन्हा फ़नकार

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗
2. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (v) (ङ) (ii)
3. (क) घंटी पर (ख) किला (ग) घुमावदार (घ) तेरह साल (ङ) एक पहरेदार
4. (क) मोतियों (ख) सलाम (ग) नक्काशी (घ) दखलंदाज़ी (ङ) पत्थर
5. (क) आगरा के महल में (ख) अधबनी अधूरी घंटी
   (ग) क्या तुम मुझे नक्काशी करना सिखाओगे? (घ) ख्वाजा सलीम चिश्ती
6. (क) साधु-संतों और फ़कीरों के पास गए।
   (ख) केशव का काम करने का अंदाज़
   (ग) केशव ने नक्काशी अपने पिता से सीखी थी और वह सीधी लकीरों वाले और घुमावदार डिज़ाइन उकेर सकता था।
   (घ) केशव दस साल का था और अभी अपना काम सीख ही रहा था। पिता के एक बार करके दिखा देने पर वह सीधी लकीरों वाले और घुमावदार डिज़ाइन उकेर सकता था।
   (ङ) अकबर के बेटों के नाम थे शाहज़ादा सलीम, मुराद और दनियाल।
7. (क) केशव ने अकबर से कहा। (ख) केशव के पिता जी ने केशव से कहा।
   (ग) अकबर ने केशव से कहा। (घ) महल के पहरेदार ने अकबर से कहा।
8. पहरेदार बादशाह सावधानपूर्वक फ़नकार
9. (क) विश्वास – अविश्वास पास – दूर खूबसूरत – बदसूरत सहमत – असहमत अच्छा – बुरा बेवकूफ़ – होशियार
   (ख) लिखाई पढ़ाई बुनाई
10. छात्र स्वयं करें।
11. (क) हिरन जैसी – आखें (ख) गाय जैसा/जैसी – ममता
    (ग) चील-जैसी – नज़र (ङ) लोमड़ी जैसी – चालाकी

5 जहाँ चाह वहाँ राह

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv) (घ) (i)
3. (क) बादामी (ख) इला (ग) कसूती (घ) छब्बीस (ङ) सूरत
4. (क) पल्लू (ख) पेंगे (ग) दाखिला (घ) दसवीं (ङ) पाँव
5. (क) मलमली धोती (ख) इला सचानी ने (ग) सुनहरे-रुपहले रंग के
   (घ) इला का बचपन अमरेली ज़िले के राजकोट गाँव में अपने नाना के यहाँ बीता। (ङ) कशीदाकारी
6. (क) साँझ होते ही बच्चे घरों से बाहर आकर मिट्टी में आड़ी-तिरछी लकीरें खींचते, कुछ कनेर के पत्तों से पिटपिटी बजाते, कुछ गिट्टे खेलते, कुछ इधर-उधर से टूटे-फूटे घड़ों के ठीकरे बटोरकर पिठ्ठू खेलते। जब इन खेलों से मन भर जाता तो पेड़ की डालियों पर झूला डालकर ऊँची-ऊँची पेंगे लेते और ऊँचे स्वर में गाते।
   (ख) मैं भी ऐसा कुछ क्यों नहीं कर पाती हूँ।
   (ग) दाल-भात खाना, दूसरों के बाल बनाना, फर्श बुहारना, कपड़े धोना, तरकारी काटना और तख्ती पर लिखना।
   (घ) पंद्रह-सोलह साल की होते-होते इला काठियावाड़ी कशीदाकारी में माहिर हो गई थी।
   (ङ) उसकी सुरक्षा को लेकर और काम करने की गति को लेकर इला को परेशानी हुई।

7. (क) ठान लेना – परीक्षा पास करने की निखिल ने ठान ली थी।

(ख) खिल उठना – बच्चे को देखते ही माँ खिल उठी।

(ग) घुटने टेकना – सोहम के जिद के आगे पापा ने घुटने टेक दिए।

(घ) दंग रह जाना – रोशनी को चलता-फिरता देख सारे दंग हो गए।

8. (क) रंग – लाल चमकीला (ख) लकीर – बड़ी छोटी

(ग) आँखें – सुंदर नशीली (घ) पत्तियाँ – हरी बड़ी

9. (क) धोती – धोतियाँ (ख) टाँका – टाँके (ग) नमूना – नमूने

(घ) ज़िला – ज़िले (ङ) पत्ती – पत्ते

10. छात्र स्वयं करें।

11. छात्र स्वयं करें।

6 चिट्ठी का सफ़र

1. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

2. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)

3. (क) भौगोलिक (ख) पिनकोड (ग) कबूतर (घ) जम्मू-काश्मीर में (ङ) ओडिशा

4. (क) छह (ख) स्थानीय (ग) पिनकोड (घ) संदेशवाहक (ङ) प्रवासी

5. (क) पिनकोड की शुरुआत 15 अगस्त 1972 को डाक तार विभाग ने पोस्टल नंबर योजना के नाम से की।

(ख) पुराने समय में संदेश भेजने के लिए आदमियों (हरकारों) का उपयोग होता था।

(ग) डाक बाँटने में हवाई जहाज़, पानी के जहाज़ और जाने कौन-कौन से साधन इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

(घ) डाक-विभाग पत्र, मनीआर्डर के साथ-साथ ई-मेल, बधाई कार्ड आदि लोगों तक पहुँचा रहा है।

6. (क) बदलाव और विकास

(ख) पिन कोड लिखने से गंतव्य स्थान का पता लगाने में डाक छाँटने वाले कर्मचारियों को मदद मिलती है और पत्र जल्दी बाँटे जा सकते हैं।

(ग) छोटी से बड़ी भौगोलिक इकाई का अर्थ है कि घर के नंबर के बाद गली-मोहल्ले का नाम, फिर गाँव, कस्बे, शहर के जिस हिस्से में है उसका नाम, फिर गाँव या शहर का नाम।

(घ) गिरहबाज या हुमूर प्रजाति डाक संदेश भेजने काम में लाया जाता है।

(ङ) हरकारे का काम पैदल ही आम आदमी तक चिठ्ठी-पत्री पहुँचाने का होता था।

7. (क) रोटी, कपड़ा, मकान **आदि** इनसान की बुनियादी ज़रूरतें हैं।

राघव तो टी. वी. देखने का **आदी** है

(ख) गीता को डाक टिकट संग्रह करने का **शौक** है।

मुखिया के निधन का समाचार सुनकर सारा गाँव **शोक** में डूब गया।

(ग) किसान खेतों में **अन्न** उपजाकर सबका पेट पालता है।

मुझसे यह नहीं होता, किसी **अन्य** व्यक्ति को यह काम सौंप दो।

(घ) लिफ़ाफ़े पर साफ़ साफ़ **पता** लिखना चाहिए।

पेड़ से टूटकर **पत्ता** पानी में जा गिरा।

8. देश – प्रदेश सिद्ध – प्रसिद्ध योग – प्रयोग शिक्षित – प्रशिक्षित यत्न – प्रयत्न स्थान – प्रस्थान

9. सीमित – असीमित उपयोगी – अनुपयोगी विकसित – अविकसित उदार – अनुदार

लिखित – अलिखित इच्छा – अनिच्छा शिक्षित – अशिक्षित आवश्यक – अनावश्यक

10. भारत एक विकासशील देश है। भारत में गांधी जी बहुत ही प्रख्यात विद्वान थे। देश-विदेश में भी उनकी चर्चा होती थी। इसी कारण भारत में सिर्फ़ गांधी जी के नाम से और देश के नाम से पत्र पहुँच गया होगा।

11. छात्र स्वयं करें।

12. छात्र स्वयं करें।

7 डाकिए की कहानी, कँवरसिंह की ज़ुबानी

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

2. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (v) (घ) (iii) (ङ) (ii)

3. (क) 45 वर्ष (ख) 4 (ग) रिकांगपिओ (घ) किब्बर (ङ) अप्रैल

4. (क) बेस्ट (ख) टेलीफ़ोन (ग) भारतीय (घ) डाक (ङ) नौकरी

5. (क) शिमला की माल रोड पर (ख) कँवरसिंह (ग) शहरों में संदेश भेजने के फ़ोन, मोबाइल, ई-मेल वगैरह साधन आ गए हैं।
(घ) पाँच रुपये में (ङ) पचास पैसे

6. (क) तीन महिला डाकिया फटाफट डाक छाँटने का काम कर रहे हैं।
(ख) डाकियां हिमाचल प्रदेश के शिमला ज़िले के नेरवा गाँव का निवासी है।
(ग) गाँव में एक पहाड़ी से लकड़ियाँ लाते हुए गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई।
(घ) डाक सेवक को चिट्ठियाँ, रजिस्टरी पत्र, पार्सल, बिल, बूढ़े लोगों की पेंशन आदि छोड़ने का काम करना होता है।
(ङ) डाकिए को बेस्ट पोस्टमैन का इनाम दिया गया।

7. पता - मुझे उसके घर का पता नहीं मिला। पूर्व - सूरज पूर्व से उगता है।
पता - उन्हें सारी बातें पता है। पूर्व - हमारे पूर्व यहाँ कोई रहता था।
घटना - यह अच्छी घटना नहीं है।
घटना - नदी का पानी घट गया।

8. (क) इस कमरे में एक ही खिड़की है। (ख) राम का स्कूल घर से तीन किलोमीटर दूर है।
(ग) मालिक ने अपनी जान बचानेवाले नौकर को ढेर सारे पुरस्कार दिए। (घ) ग्रामीण लोगों का जीवन बहुत सादा होता है।

9. पता:
दिनांक:
आदरनीय नानी जी,
सादर प्रणाम।
यहाँ सब कुशल मंगल है। आप और नाना जी कैसे है? इस छुट्टियों पर हम सब आपके यहाँ ज़रूर आएँगे। आप अपना और नाना जी का खयाल रखना। और हमें पत्र लिखते रहना।
आपकी पोती,
मीना

10. छात्र स्वयं करें।

8 वे दिन भी क्या दिन थे

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. (क) (iv) (ख) (v) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (ii)

3. (क) डायरी में (ख) पुरानी (ग) घर में (घ) मशीन (ङ) स्कुल का काम

4. (क) आनंद (ख) पुराने (ग) पुस्तक (घ) उत्सुकता (ङ) विषय

5. (क) पुस्तक मिला (ख) पुस्तकों में ज्ञान होता है। (ग) पुस्तक में स्कूलों के बारे में लिखा था।
(घ) स्त्रियाँ और पुरुष (ङ) बच्चे

6. (क) 17 मई सन् 2155 की रात को कुम्मी ने डायरी लिखी।
(ख) कुम्मी के दादा ने बताया था कि जब वे बहुत छोटे थे तब उनके दादा ने कहा था कि उनके ज़माने में सारी कहानियाँ कागज़ पर छपती थीं और पढ़ी जाती थीं।
(ग) पुस्तक में शब्द स्थिर रहते थे, चलते नहीं थे जैसे आजकल पर्दे पर चलते हैं।
(घ) रोहित को पुस्तक घर में एक पुराना डिब्बा कहीं दबा पड़ा था। उसी को फेंक रहे थे कि उसमें से यह पुस्तक मिली।
(ङ) मशीन के भूगोल की चक्की कुछ तेज़ रफ्तार पर हो गई थी।
(च) पुराने स्कूलों में अध्यापक बच्चों को सारे विषय समझाते थे, गृहकार्य देते थे और प्रश्न पूछते थे।

7. (क) रोहित ने कुम्मी से (ख) कुम्मी ने रोहित से (ग) कुम्मी ने रोहित से

8. (क) भूतकाल (ख) वर्तमानकाल (ग) भविष्यकाल (घ) वर्तमानकाल (ङ) भविष्यकाल

9. प्रश्न – उत्तर नियमित – अनियमित कठिन – सरल एक – अनेक हमेशा – यदाकदा / कभीकभी

10. छात्र स्वयं करें।

11. छात्र स्वयं करें।

9 एक माँ की बेबसी

1. थोड़ा घबराते **भी थे हम उससे**
क्योंकि समझ नहीं पाते थे
उसकी घबराहटों को,
न इशारों **में कही उसकी बातों को,**
न उसकी भयभीत आँखों में
हर समय **दिखती**
उसके अंदर की छटपटाहटों को।

2. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)

3. (क) पड़ोस से (ख) रतन (ग) टूटा हुआ (घ) अजूबा

4. (क) अदृश्य (ख) अलग (ग) घबराते (घ) समझने

5. (क) भयभीत (ख) उसकी माँ (ग) बेबसी (घ) रतन के अंदर छटपटाहट थी।

6. (क) इस कविता के कवि कुँवर नारायण हैं। (ख) रतन बाकी बच्चों से बोल नहीं सकता था।
(ग) कवि अब उनकी भाषा समझने लगे थे जो बोल नहीं पाते थे।

7. बच्चा – बच्चे खिलौना – खिलौने आँख – आँखें भाषा – भाषाएँ रस्ता – रास्ते
ज़रूरत – ज़रूरते

8. टूटा – खिलौना काली – आखें मीठी – वाणी गूँगा – बच्चा उपजाऊ – घरती

9. छात्र स्वयं करें।

10. छात्र स्वयं करें।

10 एक दिन की बादशाहत

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (v) (घ) (iii) (ङ) (ii)
3. (क) कव्वाली गाते (ख) आइसक्रीम खाने के (ग) नमाज़ पढ़तीं
   (घ) गज़ल (ङ) भाईजान
4. (क) मुरगी (ख) डाँट (ग) निवाला (घ) मिठाइयों (ङ) चवन्नी
5. (क) दोनों पाबंदियों से बच निकलने की तरकीबें सोचा करते। (ख) दोनों ने अब्बा की खिदमत में दरखास्त पेश की।
   (ग) दादी ने बादाम का हरीरा पानी पीना शुरू किया। (घ) अम्मी के दाँत पान खाने से गंदे हो गए थे। (ङ) अब्बा ने पाँच रुपये माँगे।
6. (क) दोनों ने अब्बा की खिदमत में दरखास्त पेश करते हुए कहा कि उन्हें एक दिन बड़ों के सारे अधिकार दे दिए जाएँ और सब बड़े छोटे बन जाएँ।
   (ख) जब नाश्ता मेज़ पर आया तो आरिफ़ ने खानसामा से कहा "अंडे और मक्खन वगैरह हमारे सामने रखो, दलिया और दूध-बिस्कुट इन सबको दे दो!"
   (ग) सलीम ने गुलाब-जामुन, गाजर का हलवा और मीठे चावल पकाने को कहा।
   (घ) सलीम ने कॉलेज जाती हुई आपा से कहा इतनी भारी साड़ी क्यों पहनी? शाम तक गारत हो आएगी। इस साड़ी को बदलकर जाइए। आज वह सफ़ेद वॉयल की साड़ी पहनना!
   (ङ) "ज़रा अब्बा की गत देखिए! बाल बढ़े हुए, शेव नहीं की, कल कपड़े पहने थे और आज इतने मैले कर डाले! आखिर अब्बा के लिए कितने कपड़े बनाए जाएँगे!" यह सुनकर अब्बा का हँसते-हँसते बुरा हाल हो गया। आज ये दोनों कैसी सही नकल उतार रहे है सबकी!
7. दरखास्त- किसी बात के लिए विनयपूर्वक किया जाने वाला हठ या पत्र
   खानसामा - खाना बनाने वाला तकरार - झगड़ा, नौंकझौंक
   निहायत - बहुत खिदमत - सेवा, खातिरदारी मेहरबानी - उपकार, दया
8. (क) जान मुसीबत में होना - संकट में फसना (ख) आँखें निकालना - डराना
   (ग) खून का घूँट पीकर रहना - गुस्सा सहन करना (घ) दिमाग पिघलाना - बातों आदि से परेशान करना
9. छात्र स्वयं करें।
10. छात्र स्वयं करें।

11 चावल की रोटियाँ

1. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (v) (घ) (i) (ङ) (ii)
3. (क) भुक्खड़ (ख) करंट (ग) दो (घ) गुड़-गुड़ (ङ) दुकान का मैनेज़र
4. (क) रेडियो (ख) खबर (ग) चूहे (घ) टपका (ङ) भूखी
5. (क) खेतों में धान लगाने चले गए। (ख) चावल की रोटियाँ (ग) रेडियो के पीछे छुपाया।
   (घ) परीक्षा के बारे में रेडियो पर खास सूचना आने वाली थी। (ङ) केले के पापड़ लाई थी।
6. (क) कोको के घर नीनी, मिमि, तिनसू और उ बा तुन आते हैं।
   (ख) कोको ने नीनी के आने पर झूठ बोला कि उसके रेडियो में भी कुछ खराबी है। उसे छूने पर करंट लग सकता है। उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि रेडियो के पीछे चावल की रोटियाँ छिपाई थीं। वह इन रोटियों को नीनी को देना नहीं चाहता था।

(ग) उ बा तुन नीला फूलदान लाता है।

(घ) मिमि को फूलदान में फूल रखने से रोकने के लिए कोको यह बहाना बनाता है कि उसकी माँ को इस फूल से एलर्जी है। जब भी वह यह फूल देखती है उनके जिस्म में फुँसिया निकल आती है। (ङ) माँ को इस फूल से एलर्जी है।

7. (क) कोको ने नीनी से (ख) उ बा तुन चाचा ने तिन सू से (ग) मिमि ने तिन सू से कहा।

8. घंटी – घंटियाँ मूँछ – मूँछे रोटी – रोटियाँ मेज़ – मेज़ें चटाई – चटाइयाँ चीज़ – चीज़ें
अलमारी – अलमारियाँ खबर – खबरें

9. (क) अभाव (ख) फूलदान (ग) समझदार (घ) मनपसंद (ङ) बेसहारा (च) ईमानदार

10. छात्र स्वयं करें।

11. **भूनकर खाने वाली चीज़ें :** बूट्टा, पापड़, मुँगफ़ली
तलकर खाने वाली चीज़ें : पूरी, पकौड़े, आलू के चिप्स

12 गुरु और चेला

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✗

2. (क) (v) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iii)

3. (क) बारिश (ख) भिश्ती की गलती है। (ग) मशक बनाने वाले की (घ) मलाई

4. (क) दुबला (ख) झमेला (ग) जानवर (घ) मोटी गर्दन (ङ) दीवार

5. (क) टके सेर (ख) अनबूझ (ग) चेले के साथ (घ) राजा (ङ) कमज़ोर

6. (क) नगर को अँधेर नगरी इसलिए कहा गया है क्योंकि वहाँ का राजा अनबूझ था। उस राज्य में प्रत्येक वस्तु टके सेर में बिकती थी।

(ख) गुरु जी ने अँधेर नगरी को इस कारण छोड़ा क्योंकि उन्हें अहसास हो गया था कि कभी भी अनहोनी घटना हो सकती है। वे मुसीबत मोल लेना नहीं चाहते थे।

(ग) शिष्य अपने गुरु के साथ इसलिए नहीं लौटा क्योंकि उसे वह जगह अच्छी लगी। वहाँ पर हर वस्तु टके सेर में मिलती थी। वह अकेले ही मोटा होना चाहता था।

(घ) शिष्य की गर्दन मोटी होने के कारण सिपाही शिष्य को फाँसी देना चाहते थे।

(ङ) अंत में फाँसी पर राजा को चढ़ाया गया।

7. (क) गिरी राज्य **की एक दीवार भारी,**
जहाँ राजा पहुँचे तुरत ले सवारी।

(ख) खता **कारीगर की महाराज साहब,**
न इसमें खता मेरी, या मेरा करतब!

(ग) टके सेर **मिलती थी रबड़ी मलाई,**
बहुत रोज़ उसने मलाई उड़ाई।

8. (क) ग्वालिन (ख) मंत्री (ग) जल्लाद (घ) भिश्ती

9. शीश – सिर पानी – जल चेला – शिष्य
फ़ौरन – तुरंत संतरी – चौकीदार हिकमत – ज्ञान

10. (क) उसे फाँसी लग जाती है।

(ख) राजा उसे फाँसी लगाकर मार देते।

11. छात्र स्वयं करें।

13 स्वामी की दादी

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (v) (ङ) (ii)
3. (क) पुलिस की वर्दी (ख) कहानी (ग) बड़ा
   (घ) दादा जी को (ङ) शेर
4. (क) चूड़ियाँ (ख) दादी (ग) गणित (घ) झाड़ी (ङ) कहानियाँ
5. (क) दादी के साथ (ख) कम हवादार अँधेरे गलियारे की बंद सी कोठरी थी। (ग) पुलिस अधीक्षक हैं।
   (घ) सब-मजिस्ट्रेट थे। (ङ) दो सौ नंबर दे देते थे।
6. (क) दादी के पास पाँच दरियों, तीन चादरों, पाँच तकियों वाला भारी-भरकम बिस्तर, पटसन के रेशे का बना एक वर्गाकार बक्सा और लकड़ी का एक छोटा बक्सा जिसमें ताँबे के सिक्के, इलायची, लौंग और सुपारी पड़े रहते थे।
   (ख) रात के भोजन के बाद स्वामीनाथन दादी के पास उनकी गोद में सिर रखे लौंग, इलायची की गंध भरे वातावरण में अपने को बहुत प्रसन्न और सुरक्षित महसूस कर रहा था। वह दादी से कहानी सुन रहा था।
   (ग) राजम के नंबर सुनकर दादी ने कहा कि तुम्हें भी मेहनत करके उसकी तरह नंबर लेने चाहिए।
   (घ) एम. ए. करने पर स्वामीनाथन के दादा को बड़ा मैडल मिला था। लेकिन स्वामीनाथन की बुआ ने वह मैडल गलवाकर चार चूड़ियाँ बनवा लीं।
   (ङ) हरिश्चंद्र ने वचन का पालन करने के लिए सिंहासन, पत्नी और बच्चे को खो दिया।
7. (क) अचानक - अचानक ही तो गिरती है बिजली। (ख) कल्पना - मेरा नाम कल्पना शर्मा है।
   (ग) सुरक्षित - अपना घर सबसे सुरक्षित स्थान होता है। (घ) उत्साह - बड़े उत्साह से दीवाली का त्योहार मनाया जाता है।
   (ङ) विश्वास - उन्हें अपनी आखों पर विश्वास नहीं हुआ।
8. **स्त्रीलिंग :** वर्दी, चादर, इलायची, झाड़ी, चूड़ियाँ, कहानी
   पुल्लिंग : नंबर, सिक्का, वचन, सिंहासन, जवाब, दिन
9. (क) उन्हें मंदिर ले जाते हैं। (ख) उनकी दवाइयाँ समय पर देते हैं। (ग) उनकी मनपसंद चीज़ें लाते हैं।
   (घ) उनके हाथ-पैर दबाते हैं। (ङ) हम उनके छोटे-छोटे कामों में मदद करते हैं।
10. छात्र स्वयं करें।
11. छात्र स्वयं करें।

14 बाघ आया उस रात

1. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓
2. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)
3. (क) बाघ (ख) आँखें फैलाकर (ग) रात में (घ) बाघ
4. (क) इधर (ख) झरने (ग) दो (घ) बच्चों
5. (क) झरने के पास (ख) रात के (ग) बाघिन (घ) पाँच साल
6. (क) जब बाघिन पहरा देती तो बाघ सोता है या बच्चों से खेलता है।
   (ख) बाघ कहीं काम नहीं करता न किसी दफ़्तर में न कॉलेज में ऽऽ"
   (ग) बाघ के परिवार में बाघिन और उसके दो बच्चे थे।

7. (क) बाघ बच्चों से खेल रहा है। (ख) अध्यापिका पढ़ा रही हैं।
(ग) हलवाई मिठाई बना रहा था। (घ) बाघिन सो रही थी।

8. (क) वक्त (ख) मनुष्य (ग) पुस्तक (घ) विद्या (ङ) व्यायाम (च) पत्थर

9. छात्र स्वयं करें।

10. छात्र स्वयं करें।

15 बिशन की दिलेरी

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. (क) (iv) (ख) (v) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iii)

3. (क) कर्नल दत्ता का (ख) दस (ग) तीतर (घ) गोली चलने की (ङ) स्वेटर में

4. (क) किसान (ख) गोलियाँ (ग) जख्मी (घ) तीतर (ङ) अल्सेशियन

5. (क) सूरज (ख) दस साल (ग) पेड़ों की आड़ में (घ) सराराहट सी हूई (ङ) सुनहरे

6. (क) कर्नल दत्ता की पत्नी पढ़ाई में उसकी मदद करती थी। इस वजह से वह उनके पास जाता था।
(ख) फ़ार्म में लगे सेबों पर कीटनाशक दवा का छिड़काव हो रहा था।
(ग) फ़सल पक जाती है तब गेहूँ के खेतों में दाना चुगने ढेरों तीतर आ जाते हैं। शिकारी इस बात को जानते हैं। इसलिए वे सुबह-सुबह ही तीतर मारने चले आते हैं।
(घ) तीतर गेहूँ की बालियों के बीच फँसा छटपटा रहा है।
(ङ) गेंदे के पत्तों का रस दिन में दो-तीन बार पिलाओगे तो तीतर जल्दी ठीक हो जाएगा।

7. (क) वह इतना तेज़ चल रहा था, मानो **हवा जैसे** (ख) वह इतना धीरे चल रहा था, मानो **कछुअे जैसे**
(ग) बिल्ली चूहे को ऐसी ललचाई नज़रों से देख रही थी, मानो **हिरन को शेर**

8. (क) छिड़कना - छिड़काव (ख) बहना - बहाव (ग) फैलना - फैलाव
(घ) दबना - दबाव (ङ) कटना - कटा (च) घेरना - घेराव

9. छात्र स्वयं करें।

10. **पानी में रहने वाले :** (क) बतख (ख) कछुआ (ग) मछली (घ) मगरमच्छ
पेड़ पर (घोंसले में) रहने वाले : (क) चिड़ियाँ (ख) कबूतर (ग) कौआ (घ) मैना

16 पानी रे पानी

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

2. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii) (ङ) (v)

3. (क) तीर (ख) भाप (ग) सुंदर-सा (घ) मिट्टी

4. (क) पानी (ख) अकाल (ग) नल (घ) बेवक्त (ङ) बाढ़

5. (क) भूगोल की किताब (ख) नदी अपने चारों तरफ़ का पानी लेकर उसी समुद्र में मिलती है।
(ग) बरसात से (घ) सूँ-सूँ की आवाज़ (ङ) झगड़े बढ़ते जा रहे हैं।

6. (क) जल-चक्र में सूरज, समुद्र, बादल, हवा, धरती, बरसात की बूँदें, भाप का पानी में बदलना तथा नदी के रूप में बहकर समुद्र में वापिस मिल जाना शामिल होते हैं।

(ख) दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, और बैंगलोर राज्यों में पानी की वजह से भयानक स्थिति होती है।

(ग) पैसो को हम गुल्लक में जोड़ते हैं।

(घ) बरसात में इकट्ठे पानी को हम भूजल भंडार में सुरक्षित रख सकते हैं या बड़े-बड़े नहरों में इकट्ठा कर सकते हैं। इस पानी को उबालकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। हम वर्षा के जल का इस्तेमाल सिचाई के रूप में खेतों में कर सकते हैं।

7. (क) पानी की समस्या **भयानक** रूप धारण करती जा रही है।

(ख) पहाड़ों और समुद्रों का **प्रकृतिक** सौंदर्य मन को मोह लेता है।

(ग) विनय ने बड़ी **मजबूरीं** में यह काम करना स्वीकार किया है।

(घ) आज जीवन में कंप्यूटर की **उपयोगिता** बहुत बढ़ गई है।

8. (क) (i) कृप्या - कृपया (ii) रात्री - रात्रि (iii) दूर्घटना - दुर्घटना (iv) समृध - समृद्ध (v) गूल्लक - गुल्लक

(ख) सज़ा - दंड हक - अधिकार समुद्र - सागर ज़्यादा - अधिक वर्षा - बरसात

नदी - सरिता पानी - जल सूरज - दिनकर

9. (i) चोरी करते पकड़े जाने पर वह पानी-पानी हो गई। (ii) रोहन ने निशा की कड़ी मेहनत पर पानी फेर दिया।

(iii) बच्चें को हँसता देख माँ की आँख में पानी भर आया।

10. छात्र स्वयं करें।

11. छात्र स्वयं करें।

12. छात्र स्वयं करें।

17 छोटी-सी हमारी नदी

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. कच्चे-बच्चे धार-कछारों पर उछल नहा लें,

गमछों-गमछों पानी भर-भर अंग-अंग पर ढालें।

कभी-कभी वे साँझ-सकारे निबटा कर नहाना

छोटी-छोटी मछली मारें आँचल का कर छाना।

बहुएँ लोटे-थाल माँजती रगड़-रगड़ कर रेती,

कपड़े धोतीं, घर के कामों के लिए चल देतीं।

3. (क) टेढ़ी-मेढ़ी (ख) लोटे-थाल (ग) ऊँचा (घ) कीचड़

4. (क) काँस (ख) पाट (ग) बाम्हन (घ) धार (ङ) घुटने भर

5. (क) किचपिच- किचपिच करती है। (ख) बच्चे नहाते हैं। (ग) डाल पर बैठती है। (घ) बर्तन माँजती है।

6. (क) औरतें नदी के किनारे लोटे-थाल माँजने, नहाने, कपड़े धोने के लिए आती हैं।

(ख) सियार रात को हुआँ-हुआँ करते हैं।

(ग) नदी के दोनों ओर अमराई और ताड़ के वन हैं।

(घ) बच्चे नदी में नहाते हैं, छोटी-छोटी मछली मारकर आँचल द्वारा पानी से छानकर बाहर निकलते हैं।

7. (क) नदियाँ (ख) झरने (ग) पानी (घ) हवा (ङ) बूँदें

8. (क) चालू - ढालू (ख) उतराती - दन्नाती (ग) वन - सघन

(घ) कोलाहल - चंचल (ङ) नहाना - छाना (च) रोला - टोला

9. (क) (v) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (iii) (ङ) (ii)

10.

गरमी	सरदी	बरसात
चैत्र	कार्तिक	आषाढ
वैशाख	मार्गशीर्ष	श्रावण
ज्येष्ठ	पौष	भाद्रपद
फाल्गुन	माघ	आश्विन

11. (क) नदियों का (ख) मीठा पानी (ग) संजीवनी रुपी अमृत या अमर होने वाला पेय पदार्थ

12. छात्र स्वयं करें।

18 चुनौती हिमालय की

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (v) (घ) (ii) (ङ) (i)

3. (क) खाई की दीवारों से (ख) जवाहरलाल का (ग) अमरनाथ की गुफा का
(घ) दुर्गम (ङ) आठ मील

4. (क) हथेलियाँ (ख) दुर्गम (ग) धुधँला (घ) दृश्य (ङ) बर्फ़

5. (क) जोज़ीला (ख) जवाहरलाल (ग) कश्मीर (घ) किशन गड़ेरिया (ङ) बहुत ही वीरान था।

6. (क) कुली ने जवाहर को बताया कि उस बर्फ़ से ढके पहाड के पीछे अमरनाथ की गुफा है और रास्ता बहुत टेढ़ा है।
(ख) तिब्बती पठार का दृश्य निराला था। दूर-दूर तक वनस्पति-रहित उजाड़ चट्टानी इलाका दिखाई दे रहा था। उदास, फीके, बर्फ़ से ढके चट्टानी पहाड़ सुबह की पहली किरणों का स्पर्श पाकर ताज की भाँति चमक उठे। दूर से छोटे-छोटे ग्लेशियर ऐसे लगते थे मानो स्वागत करने के लिए उनकें पास सरकते आ रहे हों। सर्द हवा के झोंके हड्डियों तक ठंडक पहुँचा रहे थे।
(ग) मैदान चारों ओर हिम शिखरों से घिरा और देवताओं के मुकुट के समान लग रहा था।
(घ) जवाहरलाल का अमरनाथ पहुँचने का सपना पूरा नहीं हो सका।

7. (क) मेरी बेटी भेंड़ें चराने चली जाएगी। (ख) आठ मील की दूरी कोई कम नहीं होती।
(ग) जवाहरलाल फुर्ती से बढ़ते जा रहे थे। (घ) हम बिलकुल ठीक हैं।
(ङ) अचानक इनका पैर फिसला।

8. (क) काला - कालिमा (ख) लाल - लालिमा (ग) नीला - नीलिमा (घ) हरा - हरियाली/हरीतिमा

9. छात्र स्वयं करें।

10. छात्र स्वयं करें।

11. छात्र स्वयं करें।